

ऐसा न करना इस अधिनियम के प्रावधानों का खुला उल्लंघन है ;

(ग) यदि हां, तो क्या इन राज्यों को मूल पत्र अंग्रेजी में जारी किए गए हैं और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(घ) भविष्य में इन राज्यों को मूल पत्र हिन्दी में जारी किया जाना सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

पूर्ति मंत्रालय तथा खेल विभाग के राज्य मंत्री (श्री बूटा सिंह) : (क) यहां का अधिकांश पत्र व्यवहार, पूतिकर्ताओं के साथ, ठेकों द्वारा खरीद के बारे में होता है। अन्य पत्र व्यवहार सामान्यतया केन्द्रीय सरकार के विभागों से होता है। 'क' और 'ख' क्षेत्र के प्रत्येक राज्य को मूल रूप से भेजे गए पत्रों की अलग-अलग संख्या उपलब्ध नहीं है।

(ख) जी हां।

(ग) जैसा कि उपर्युक्त (क) में बता दिया गया है।

(घ) इस मंत्रालय के सभी कार्यालयों तथा अधिकारियों को पहले ही हिदायतें जारी की जा चुकी हैं कि राजभाषा अधिनियम, 1963 के उपबन्धों के अनुसार हिन्दी भाषी राज्यों को पत्र हिन्दी में ही लिखे जायें।

राज्यों को हिन्दी और अंग्रेजी में भेजे  
गये पत्रों की संख्या

2311. श्री रामावतार शास्त्री : क्या निर्माण और आवास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय/विभाग द्वारा 1982 की प्रथम छमाही में 'क' और 'ख'

क्षेत्रों के प्रत्येक राज्य को मूल रूप से कुल कितने मूल पत्रादि भेजे गये हैं और अंग्रेजी और हिन्दी के पत्रों का अलग-अलग ब्योरा क्या है ;

(ख) क्या राजभाषा अधिनियम 1963 में इन सभी राज्यों को पत्रादि मूल रूप से हिन्दी में जारी करने का उपबन्ध है और ऐसा न करना इस अधिनियम के उपबन्धों का स्पष्ट उल्लंघन है ;

(ग) यदि हां, तो क्या इन राज्यों को पत्रादि मूल रूप से अंग्रेजी में भेजे गए थे और यदि हां, तो उसके कारण क्या हैं ; और

(घ) भविष्य में इन राज्यों को पत्रादि मूल रूप से हिन्दी में भेजना सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

संसदीय कार्य तथा निर्माण और आवास मंत्री (श्री भीष्म नारायण सिंह) : (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है तथा सभा पटल पर रख दी जायेगी।

#### Development of High Yielding Variety of Pulses

2313. SHRI R. L. BHATIA : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) the steps taken to develop high yielding variety of pulses in the Northern Region and to increase their production ; and

(b) the additional area brought under pulse production and the target of production during the current year ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRIES OF AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT (SHRI R. V. SWAMINATHAN) : (a) In order to develop

high yielding varieties of pulses, research efforts are being made under the All India Coordinated Pulses Improvement Project in collaboration with the Agricultural Universities and the Indian Council of Agricultural Research Institutes. Two pronged research strategy viz., (i) development of early maturing varieties which can be fitted in multiple cropping system, and (ii) development of better yielding varieties for introducing in traditional pulses growing areas has been followed in the country including Northern Region. Efforts are also being made to develop high-yielding and early maturing varieties and to multiply the seed of these varieties in enough quantities for supply to the farmers.

(b) The additional area brought under pulse production from 1979-80 to 1980-81 is as follows :—

(Area in million ha.)

Year	Total area	Additional increase
1979-80	22.26	—
1980-81	22.46	0.20
1981-82	23.87	1.41

A target of 13.5 millions of production of pulses has been fixed during the current year.

### आयातित गेहूं की ढुलाई

2314. श्री रघुनन्दन लाल भाटिया :

श्री निहाल सिंह :

क्या कृषि मंत्री निम्नलिखित जानकारी दर्शाने वाला विवरण सभा पटल पर रखने की कृपा करेंगे कि :

(क) अब तक आयातित गेहूं की कितनी मात्रा आ चुकी है तथा क्या इसे विभिन्न राज्यों को आबंटित करने के लिए केन्द्रीय रक्षित भण्डार में रखा जायेगा ;

(ख) यदि हां, तो इस में से राज्यवार कितनी मात्रा आबंटित की गई है ;

(ग) शेष मात्रा के कब तक पहुँचने की आशा है ; और

(घ) क्या इस गेहूं की ढुलाई भारतीय जहाजों से की जा रही है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

कृषि तथा ग्रामीण विकास मंत्रालयों में उप मंत्री (कुमारी कमला कुमारी) : (क) संयुक्त राज्य अमेरिका से आयात के लिए हाल ही में ठेका की गई गेहूं का कोई जहाज अभी तक भारत में नहीं पहुँचा है। भारत में पहुँचने पर आयातित गेहूं केन्द्रीय पूल के स्टॉक का अंग होगा जिसका आवश्यकता पड़ने पर उपयोग किया जाता है।

(ख) उपर्युक्त (क) में दिए गए उत्तर की दृष्टि में प्रश्न ही नहीं उठता।

(ग) परिदान अनुसूची के अनुसार आयात किए जा रहे गेहूं को सितम्बर, 1982 से मार्च, 1983 के दौरान अमेरिकी बन्दरगाहों से जहाजों पर भेजा जाना है।

(घ) सरकार की नीति के अनुसार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका से खरीदे गए गेहूं को यथासम्भव अधिक से अधिक भारतीय जहाजों से लाया जाए। जब उपयुक्त भारतीय जहाज अपेक्षित स्थिति में उपलब्ध नहीं होंगे तब विदेशी जहाजों को किराये पर लिया जाएगा।

### Report of Indus Commission

2315. SHRI R. L. BHATIA : Will the Minister of IRRIGATION be pleased to state :

(a) whether the permanent Indus Commission has since submitted its annual report for the year ending 31 March, 1982 :